LASSWELL'S MODEL OF COMMUNICATION

लासवेल का संचार प्रतिरूप

Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MMHAPU
MJMC/SEM 1/Paper 101
Date- 24/06/2021

लासवेल का संचार प्रारूप

- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका में प्रोपेगण्डा के महत्व का अध्ययन किया गया। जिसमें प्रोपेगण्डा क्या है, कैसे होता है और कौन करता है आदि का अध्ययन किया गया। लासवेल इस अध्ययन के मुख्य अध्येता थे।
- लासवेल ने अपने अध्ययन में पाया कि संचार व्यक्ति के विचार, कार्य, व्यवहार और उसके तौर तरीके को परिवर्तित और प्रभावित करता है।

लासवेल का संचार प्रारूप

- हेराल्ड डी. लासवेल (Herald D.Lasswell) ने वर्ष 1948 में अपने संचार प्रतिरूप को प्रस्तुत किया था। इनका संचार प्रतिरूप संचार प्रक्रिया एवं सूचना चालन पर आधारित है। इसे शाब्दिक मॉडल (Verbal Model) भी कहते हैं।
- लासवेल के प्रतिरूप को सम्प्रेषण के क्षेत्र में काफी महत्व दिया गया। सम्प्रेषण अनुसंधान के क्षेत्र में इस प्रारूप की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनके प्रतिरूप को ग्राफिक रूप में हम निम्नलिखित तरीके से समझ सकते हैं।

लासवेल का संचार प्रारूप

कौन (Who) – स्त्रोत

क्या कहता है (Says what) – संदेश

किस माध्यम से (In Which Channel) – माध्यम/संचार मार्ग

किससे अथवा किसके लिए (To Whom)– ग्रहीता/श्रोता

उसका क्या प्रभाव (With What Effect) – प्रभाव

लासवेल का संचार प्रारूप

- लासवेल के प्रतिरूप में **''कौन''** सम्प्रेषक के सम्बंध में विश्लेषण किया गया है।
- **''क्या कहता है''** में विषय वस्तु या संदेश का विश्लेषण किया जाता है।
- इनके प्रतिरूप में **''किस माध्यम से''** में माध्यम के बारे में विश्लेषण किया जाता है जिससे यह जाना जा सके कि कितन विस्तृत क्षेत्र तक संदेश को भेजा जा सकता है।

लासवेल का संचार प्रारूप

- **"किससे"** में श्रोता के सम्बंध में विश्लेषण किया जाता है। इसमें श्रोता वर्ग की जागरूकता, आवश्यकता, व्यवहार, आकार, प्रवृत्ति आदि का अध्ययन किया जाता है।

- **"प्रभाव विश्लेषण"** में दो विचारधाराएं मानी गई हैं। जिसमें एक विचारधारा यह मानती है कि मीडिया सर्वाधिक शक्तिशाली और प्रभावशाली माध्यम है। जिसमें व्यक्ति के जीवन और उसके व्यवहार को परिवर्तित करने की क्षमता है।

लासवेल का संचार प्रारूप

- दूसरी विचारधारा यह मानती है कि मीडिया की क्षमता और प्रभाव की सीमा सीमित है और व्यक्ति के जीवन को परिवर्तित करने के लिए मीडिया से भी अधिक प्रभावशाली माध्यम उपलब्ध है। जैसे–दोस्त, परिवार के सदस्य आदि।
- लासवेल के प्रतिरूप में यह माना जाता है कि ग्रहणकर्त्ता पर सम्प्रेषण का निश्चित प्रभाव पड़ेगा।
- इस प्रकार लासवेल के प्रतिरूप में संचार के सभी आवश्यक तत्वों का उल्लेख किया गया परन्तु बाद में इनके प्रतिरूप में कुछ परिवर्तन किए गए।